पारिस्थितिक संतुलन के लिए कृष्ण – अर्जुन संवाद पर आधारित जागरूकता गतिविधि की रूपरेखा तैयार कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 4856 **L**

Unique Paper Code : 6967000031

Name of the Paper : The Gita for Sustainable Universe

Name of the Course : **VAC**

Semester : II / IV

Duration : 1 Hour Maximum Marks : 30

समय : 1 घण्टा पूर्णांक : 30

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **First** question is compulsory and attempt any **two** questions from remaining.
3. Each question carries **10** marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **पहला प्रश्न अनिवार्य है और शेष में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**
3. **प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है ।**
4. **इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।**

1. Write short notes on **any two** of the following : (5+5=10)

   (i) Gita and ecological awareness

   (ii) Sustainable use of gifts of nature

   (iii) Balance between action and detachment

   निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी कीजिए :

   (i) गीता और पारिस्थितिक जागरूकता

   (ii) प्रकृति के उपहारों का सतत उपयोग

   (iii) कर्म और अनासक्ति के बीच संतुलन

2. Analyze how the Gita's view of creation can deepen respect for the environment. (10)

   गीता में सृष्टि संबंधी दृष्टिकोण पर्यावरण के प्रति सम्मान को कैसे गहरा करता है? विश्लेषण कीजिए।

3. How can the practice of Samattvam help society avoid wasteful consumption? (10)

   समत्व का अभ्यास समाज को अपव्ययी उपभोग से बचाने में कैसे सहायक हो सकता है?

4. Prepare an outline of an awareness activity based on Krishna-Arjuna dialogue for ecological balance. (10)